VISTA

New Institute of Social Communications Research and Training

Vol. 09, Issue X | (A Media College of the C.B.C.I) | September 2023

निस्कॉर्ट मीडिया कॉलेज द्वारा आयोजित कथा कहन का समारोह

कामाक्षी ठाकुर (असिस्टेंट प्रोफेसर) और फा. रितेश गोम्स

फोटो क्रेडिट : निशांत मिश्रा

१४ सितम्बर २०२३ को हिन्दी दिवस के अवसर पर निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज में "कथा कथन" कार्यक्रम का आयोजन ऑडिटोरियम में किया गया । कार्यक्रम की सयोंजक सुश्री कामाक्षी ठाकुर (असिस्टेंट प्रोफेसर) ने कार्यक्रम को आरम्भ किया, जिसमे उन्होंने हिंदी भाषा के महत्व को साझा किया ।

उन्होंने मृणालिनी घुले जी की कविता के साथ कार्यकम की शुरुआत की

"संस्कृत की एक लाडली बेटी है हिंदी!
बहनों को साथ लेकर चलती है हिंदी!!
सुंदर है,मनोरम है,मीठी है,सरल है!
ओजस्विनी है और अनूठी है हिंदी!!
पाथेय है प्रवास में,परिचय का सूत्र है!
मैत्री को जोड़ने की साकल है हिंदी!!
पढ़ने व पढ़ाने में सहज है सुगम है!
साहित्य का असीम सागर है हिंदी!!
अंग्रेजी से भी इसका कोई बैर नही?
उसको भी अपनेपन से लुभाती है
हिंदी!!
यू तो देश मे कई भाषाएं और है?
पर राष्ट्र के माथे की बिंदी है हिंदी ॥ "

हम सभी जानते हैं कि भारत एक विविध देश है, जहां अनेक भाषाएं, जातियां, और संस्कृतियां मिलती हैं। इतनी विविधताओं के बाद भी हिंदी भाषा वह माध्यम है जो हम सभी को एक साथ आने का और एकता के सूत्र में बंधने का रास्ता दिखाती है। हम भारतीय इस विविधता में एकता की शक्ति को समझते हैं और हिंदी को एक माध्यम के रूप में सराहते हैं, जो हमारे सभी भारतीय बंधनों को मजबूत बनाता है।

स्वतंत्रता संग्राम के बाद, हमारे देश ने 14 सितंबर 1949 को हिंदी को अपनी राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसके बाद, हर साल हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1953 से हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को मनाने से हम अपनी भाषा के प्रति गर्व महसूस करते हैं और हमारे संस्कृति और एकता को साझा करते हैं।
आज के समय में अन्य भाषाएं भी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन हिंदी भाषा का अपना विशेष स्थान है। जैसे कि आपकी मां का स्थान कोई और नहीं ले सकता, वैसे ही हिंदी भाषा का स्थान भी कोई और नहीं ले सकता है। हिंदी हमारी भाषा है, हमारी आत्मा का हिस्सा है, और हमारी पहचान है। भारत ही नहीं, बल्कि कई देशों में हिन्दी बोलने वाले लोग रहते हैं। हिंदी दिवस पर स्कूलों-कॉलेज और सरकारी कार्यालयों में कई कार्यक्रमों का आयोजन होता है। सरकारी दफ्तरों में हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जाता है।

ऐसा देखने में आता है कि कुछ लोग हिन्दी बोलने में शर्म महसूस करते हैं। उन्हें लगता है कि अगर वो हिन्दी भाषा का इस्तेमाल करेंगे तो लोग उन्हे गंवार समझेंगे, हमें इस सोच को बदलने की जरूरत है और यह समझने की जरूरत है कि हिन्दी हमारे शर्मिंदा होने का नहीं, बल्कि गर्व करने का कारण है। अपने भावों की अभिव्यक्ति हम अपनी मातृभाषा के अलावा किसी ओर भाषा में उतने अच्छे से नहीं कर सकते हैं। कोई और भाषा हिंदी का स्थान नहीं ले सकती हैं। कार्यक्रम का कुशल संचालन बीजेएमसी की छात्रा इबतशाम ज़हरा ने किया ।
छात्र-छात्राओं ने स्वरचित एवं अन्य कवियों द्वारा रचित कविताओं का पाठन किया । जिसमें
१ पुरस्कार - अकांशा (एम.जे .एम.सी ३)
२ पुरस्कार - स्लिवेस्टर (बी.जेए.म.सी ५)
सांत्वना पुरस्कार -अर्नोल्ड(बी.जे.एम. सी१) और फादर मनीष (एम.जे .एम.सी ३) को मिला।
अपने शब्दों को सुंदर अभिव्यक्त देते हुए सभी प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर कार्यक्रम में भाग लिया । कार्यक्रम की निर्णायक समिति में निर्देशक डायरेक्टर फादर रॉबिंसन रोड्रिग्स और ऑडियो स्टूडियो के प्रमुख सुशील सर रहे।
कार्यक्रम को संपन्न करते हुए हमारे कॉलेज के निर्देशक माननीय फा. रॉबिंसन रोड्रिगेज ने अपने सम्बोधन ने बहुत सुन्दर ढंग से भारत रत्न से समान्नित और हमारे पूर्व राष्ट्रपति सुश्री ज़ाकिर हुसैन जी के शब्दों में हिंदी भाषा को वह धागा बताया जिसने बाकी सभी भाषाओँ को जोर रखा है l उन्होंने हिंदी दिवस को मनाते हुए यह भी समझाया की हम सब भाषाओँ का सम्मान करते है l

कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या डा. ऋतु दुबे तिवारी ने अपने सम्बोधन में कहा की दिवस उसकी मनाई जाती है जो कमज़ोर होता है, हिंदी कमज़ोर नहीं है तो इसे हिन्दी पर्व की तरह मनाने का संदेश दिया ।

CATHOLIC BISHOPS' CONFERENCE OF INDIA
UNITED IN WITNESS
CBCI
CATHOLIC BISHOPS' CONFERENCE OF INDIA

फादर रॉबिंसन जी को **सी.बी.सी.आई** के नए **पि.आर.ओ.** के रूप में नियुक्ति पर

हार्दिक शुभकामनाएं

NISCORT MEDIA COLLEGE
Affiliated to CCS University, Meerut

शिक्षक दिवस : " शिक्षकों का सम्मान और उनके साथ खुशियों का उत्सव "

जाबेज़ डिकास्ट्रो

फोटो क्रेडिट : तरुण सौरेंग

शिक्षक दिवस एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जो हमारे देश में एक शिक्षक के महत्व को मान्यता दिलाने के लिए मनाया जाता है । इस दिन हम अपने उन गुरुओं को याद करते हैं जिन्होंने हमें ज्ञान और मार्गदर्शन प्रदान किया।
५ सितंबर २०२३, शिक्षक दिवस के दिन निस्कॉर्ट मीडिया कॉलेज के विद्यार्थियों ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया कार्यक्रम का समय दोपहर २ से ५ बजे तक का रखा गया । आदरणीय डायरेक्टर फादर रॉबिंसन रोड्रिग्स, आदरणीय प्रिंसियाप मैम श्रीमती रितु दुबे तिवारी और शिक्षको के साथ अन्य कार्यरत कर्मचारियों को भी आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम शुरू होने से पहले विस्ता का उद्घाटन हुआ। प्रिंसिपल मैम ने सभी छात्रों को बधाई दी जिन्होंने मिलकर मेहनत से विस्ता तैयार किया। कार्यक्रम की मेजबानी बी ए जे एम सी ३ सेमेस्टर के छात्र निशांत और कशिश के द्वारा की गई। इसके साथ ही बी ए जे एम सी के छात्र फादर सोमाली एंथोनी फर्नांडो के द्वारा दी गई स्पीच के साथ कार्यक्रम की शुरुवात हुई । शुरुवात होते ही कुछ छात्रों ने अपने शिक्षको के लिए अपनी मधुर आवाजों में कुछ दिल को छू लेने वाले गीतों को गाया , जिसका सभी दर्शकों ने खूब आनंद उठाया। उसके बाद कुछ छात्रों ने एक बहुत जोश और मस्ती से भरा हुआ नृत्य प्रदर्शन किया, जिसे देखते ही सभी बैठे दर्शक आनंद, उत्साह, और जोश से भर गए और सभी को यह बहुत पसंद आया। इसके बाद कार्यक्रम के मेजबान ने सभी शिक्षक एवं स्टाफ के लिए कुछ खेल आयोजित किया थे जिनमे सभी शिक्षको एवं कर्मचारियों ने भाग लिया । इनमे से म्यूजिकल चेयर्स नामक एक गेम काफी दिलचस्प रहा, जिसमे काफी प्रयास के बाद रॉनी सर जीते, और सभी दर्शक उनके जीतने से काफी उत्साहित हुए।

इन सब के बाद निस्कोर्ट में काम कर रहे दो कर्मचारियों का निस्कोर्ट को अलविदा कहने का समय आया। अनुसुइया दीदी जो निस्कोर्ट में २०१५ से काम कर रहीं थी और भास्कर भईया जो २००४ से निस्कोर्ट में काम कर रहे थे, दोनो को किसी निजी करणवर्ष निस्कोर्ट छोड़कर जाना पड़ा । दोनो को आदरणीय फादर रॉबिंसन ने उनकी सेवा के लिए एक तोफे के साथ शुक्रिया कहा और आगे के वर्षों के लिए शुभकामनाएँ दी।
इन सब के बाद प्रिंसिपल मैम ने कुछ उत्साह एवं प्रोत्साहन से भरे शब्द कहे। अंत में सभी शिक्षको एवं अन्य कर्मचारियों ने मिलकर छात्रों द्वारा लाया गया केक काटा और सब ने मिलकर खुशी से केक खाया, और इस खुशी के साथ यह यादगार शिक्षक दिवस का अंत हो गया।

क्रिएटिव भाग

नारित्व नर सा

आकांशा

ना हो केवल प्रण सीता सा,
ना हो प्रेम - समर्पण राधा का
इस युग मेंगर कुछ हो, हे भगवन
तो हो मुझ में नारित्व नर सा
जन्म हुआ जब कन्या का, सबकी सातावनाएं हुई मेरे माता पिता से, बड़ी होते-होतेमुझेसि खाया गया हर एक गुण एक ग्रहणी का, उसे

शिक्षा में कभी पिछड़ना नहीं, ये उपदेश भी हर प्रहर मुझे मिला
पढ़ाई में अव्वल, हर गृह कर्म मेंपरि पूर्ण रहना, अपना दुपट्टा ज़रा संभालना, अपनी नज़र थोड़ी झुकाना,
सब कुछ तो सीखा और कि या था मैंने,
जो कुछ भी माता पिता ने कहा था,
फिर कैसी भूल हुई मुझसे हे भगवन,
कि विवाह उपरांत सुनने को मिला

करती ही क्या हो आखिर तुम ?

जानती ही क्या हो?

समझती ही कितना हो?

जीवन में पहली बार अपनी कर्मनिष्ठता पर आंसुउस दि न आया था,
दिल तो पल पल मेरा घुट घुट रोया,
पर दिमाग ने मेरे अवश्य कुछ समझाया था,

हर एक बाधा तोड़ अब आगे बढ़ूंगी ,
लक्ष्मण रेखा अवश्य लांघगी ,पर
तुम्हारी मर्यादा का मान भी रखगीं ,
तुम्हारे तथा कचित, और तथा रचित
एक नर के सामाजिक कार्य भी करूंगी,
पर घर के चौघट के दीपक की रौशनी मेंभी सजँगी।

हाँ, पर हे कल युग के नर
तुम भी नरत्व नारी सा रखना,
कभी जो मैं रहूँ व्यस्त व्यवसाय में,
तुम प्रेम भाव रखतेहुए गृह कार्य का वहन करना, तुमभी घर का दीपक बनना ,
उस अर्धनारीश्वर को परि पूर्ण करना,
स्वयं में तुम नरत्व एक नारी सा भरना,
एक नारी सा भरना।

मिसाल ए यारी

सिल्वेस्टर

नफरतों को छोड़ परे
अच्छा एक परिवार मिला
किस्मत ने फिर साथ दिया
भरोसेमंद एक यार मिला

ज़रूरत के वक्त आज तलक
हर बार उसका साथ मिला
गर ज़िंदगी से मायूस हो जाऊं
आंसू पोंछता एक हाथ मिला

कभी पैसे कम पड़ जाते
तो भरपूर मौज कराते मेरी
कभी मुश्किल में पड़ जाऊं
जी जान से मदद करते मेरी
न जाने क्यों ऊपर वाला
सबकी तक़दीर कुछ यूं लिखता है
लोगों को कुछ दिनों के लिए मिलाकर
उन्हें एक दूसरे से दुर कर देता

आंधी से उम्मीद

आर्नोल्ड

"पेड़ की जड़ें मेरे शरीर से जुड़ती हैं,
मुझे पृथ्वी के नीचे ले जाती हैं,
सूरज की किरणों से मुझे दूर ले जाती हैं,
वृक्षों की छायाओं में मुझे गहराई में ले जाती हैं,
गर्म हवाओं से दूर ले जाती हैं,
वृक्षों की हलकी हलकी आवाज के साथ मुझे अंधकार में गिरते हुए महसूस होता है,
लेकिन फिर जब मैंने सतत अंधकार में गिरते हुए उम्मीद खो दी है,
तो मैं सुनता हूँ एक मिठी आवाज़,
मैं अपनी बगीचे पर फूल खिलने की शुरुआत करते हुए और गिरने का आराम आता है,
मैं महसूस करता हूँ कि मुझे ऊपर खिचने लगा है,
मैं उज्ज्वल प्रकार की रोशनी के टुकड़े देखता हूँ,
मैं महसूस करता हूँ कि एक हाथ मेरे हाथ को पकड़ता है, मुझे धूल से ढ़का हुआ दिखता है,
मेरी सांस तेज हो जाती है, एक आकार मेरे सामने होता है,
जब मैं भारी शब्दों से सास लेता हूँ, तो वह आकार मेरी ओर आता है,
अंधकार, मिट्टी मेरी आंखों को कमजोर बना देते हैं,
जल्द ही मुझे यह समझ में आता है,
वह आकार तुम हो, जब मैं रोता हूँ तो तुम्हारा मुलायम हाथ मेरे गालों को सहलाता है,
और तुम्हारी बाहों ने मुझे और अधिक तुम्हारे पास खींच लिया है,
मुझे चारों ओर की हर चीज को महसूस करने लगता हूँ,
सूरज की किरणें, गर्म हवा, ठंडी मिट्टी,
हलकी हलकी आवाज के कारण पेड़ों में होने वाली हलचल को महसूस करता हूँ,
तुम्हारी मौजूदगी को महसूस करता हूँ,
मुझे फिर से मिलाने के लिए मेरी तरफ खींचने वाली।
मैं अपने शरीर से मिट्टी हटाते हुए देखता हूँ, तुम्हें देखता हूँ...

ऐ ज़िंदगी कहा ले आयी तू मुझे

फा. मनीष

इस भींड़ में हसिन पलों की तलाश में पिछे मुड कर देखा
तो दूर खड़े अपने अतीत के वजुद को हँसते, मुस्कुराते, खिलखिलाते देखा
ऐसा लगता मानो, मेरा अपना अतीत, अपना वजुद मुझ से रूठ गया है
बोझ से दबकर, अंधकार में कही छिप गया है लगता है मानो, किमती दौर को मैं पिछे छोड़ आया
सिर पर है सारे बोझ को ढ़ो आया
ऐ जिन्दगी बता, कहाँ ले आयी तु मुझे

सपनों की सुन्दर बगीया में तुने ही घुमाया
हाल-बेहाल कर आज तुने ही ठुकराया
आसमान का सीना चीर कर, ऊँची उड़ान भरना तूने ही सिखलाया
सैलाबों, आँधियों का धैर्य से सामना करना तुने ही बतलाया
दर-बदर भटक कर पैरों में अब छाले हो गए उज्जवल भविष्य के सारे रास्ते ही बन्द हो गए
ऐ जिन्दगी बता, कहाँ ले आयी तु मुझे

भाई बहन, माता-पिता का ताज सिर पर पहनाया
आज तुने ही मुझे उन्हीं के लिए तरसाया
घुम घाम कर शाम को माँ की आँचल में सुलाया
अरे ओ जिन्दगी, तुने आज उसी माँ के प्यार के लिए तरसाया
क्या कहूँ है जिन्दगी, अब तू ही बता मुझे
कैसा रहा मेरा जीवन, जरा एहसास तो करा मुझे
ऐ जिन्दगी बता, कहाँ ले आयी तु मुझे

Embarking on a New Academic Adventure: Our Experience at NISCORT

Tarun Soreng & Ruchika Prerna Bara

Stepping onto the college campus for the first time is a moment filled with a mix of excitement, apprehension, and curiosity. It marks the beginning of a new chapter in one's life, a journey into the unknown. First of all, the environment of Niscort is very good. My first day at NISCORT went very well, I was a little nervous but I enjoyed meeting new people. Orientation session introduced me to the college's culture, resources, and academic expectations, helping me feel more at ease. One of the most rewarding aspects of college life was forging new friendships. Meeting students from diverse backgrounds and sharing experiences created a sense of belongingness here. The way of teaching of the teachers here is also very good, if there is any problem then they explain it well. I have learned a lot of new things by participating in all the activities that take place here. Overall, the experience so far in Niscort has been very good.

My freshman year in college was a year of new experiences, learning, and making memories. It was a time of growth, friendship, and discovering who I am becoming. As I look back on that year, I know it was more than just a start to my education. It was the beginning of a journey that's shaping me into a stronger, more independent person.

The lessons and friendships I gained during my freshman year will stay with me throughout college and beyond. I'm excited to see where the rest of my college journey will take me, armed with the experiences and friendships I made during that special year.

My journey at Niscort Media College has been nothing short of incredible. From the exhilarating freshers day where I won Miss Freshers to presently holding the esteemed position of class representative, the ride has been remarkable. The learning experience here has been exceptional, encompassing a wide spectrum from mastering software to understanding technical equipment, all under the guidance of outstanding teachers. The bonding among my classmates has been a key highlight, with their unwavering support and cooperation making every aspect of this educational journey immensely enriching. Niscort Media College truly stands as a beacon of excellence.

NISCORT Observes the World Day of Photography 2023

Fr. Danish Lepcha

Jabesh: "As the Good Book says, 'When you take a photograph, you must say cheese.'"
Darren: "Where does the Book say that?"
Jabesh: "All right, all right! It doesn't exactly say that, but someplace, it has something to do with cheese and photographs." (Idea copied from 'Fiddler on the Roof')
Yes, it's undeniable that when someone says a long cheeeeeseee, it has some connection with a photo. It's so because photography has been an intimate part of our lives, be it for preserving the memories or for enjoying a particular time. As it's been so impactful, the world has a particular day for the photography, "The World Day of Photography," observed every year on August 19.

Tracing down the history of the day, it leads us back to 1837, when two Frenchmen named Joseph Niepce and Louis Daguerre invented the first – ever photographic process called Daguerrotype and gave it to the world as a gift on August 19. Following this, the day is observed as the World Photography Day. People share their beautiful photographs joyfully in the social media. Moreover, for a photojournalist, it's a basic motto that 'every photograph has a story to tell.' Furthermore, as a student of journalism, a niscortian must imbibe the sense of studying a photograph. Thus, celebrating the day, NISCORT Media College, also observed the World Photography Day by conducting the photography competition on August 19, 2023 based on the theme "Architecture and Street Photography." Students submitted their photographs online.

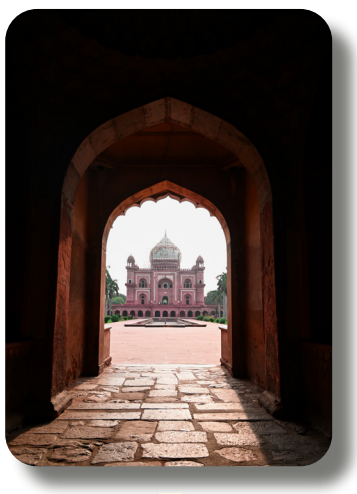

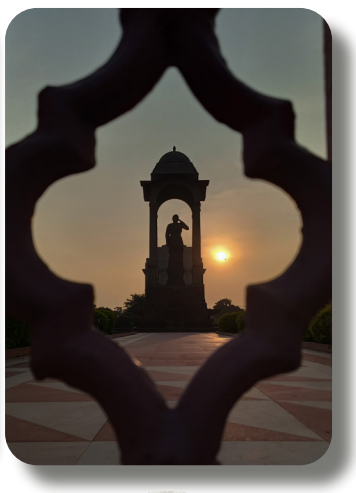

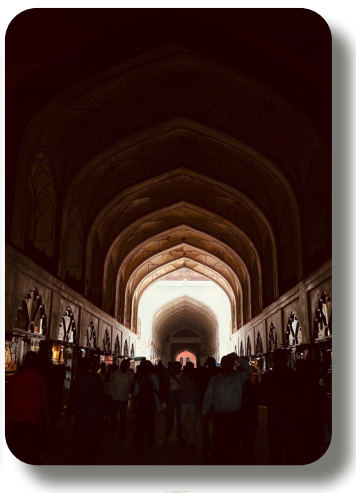

As a result, Tarun Soreng, Anjali Khalkho and Ruchika Prena Bara, all from BAJMC Sem – I, bagged the 1st, 2nd and 3rd positions. Niscort Family congratulate the winners and all the participants.

Join The Ultimate Quiz Challenge with NISCORT

Darien

On 13th September, Friday a very well initiative was taken which was inauguration of Quiz competition. The Quiz was based on the topic G-20. The in-charge of Quiz Club is Ms Amala T Chacko and Ms Kamakshi. Lots of students have been taken the initiative to help her like presentation was prepared by Priyanka and Kirti, Presentation was operated by Fr Danish, Tarun have calculated the Score and Ekta helped her by written the Scores on the board, Fr Ritesh Gomes was the Host of the event and all this went smoothly with all the students efforts and Ms Amala Mam's efforts. The Quiz was based on the topic G-20. The prelims round was held on 13th September in which all the students of NISCORT has participated it was held through online mode. After that on 14th September about 8 members had qualified for the Final Round and team of 2 was formed for Final Round. The Team were A. Maria Rachel and Sister Jancy as team 1, Rudrakash and Arnold as team 2, Ibtesam Zehra and Jason as team 3, Sylvester and Christopher as the last team 4. The Final Round was quite competitive and Challenging but our participants played it very well in a very challenging manner,at the end one team has to win so this time it was Sister Jency and Rachel team 1 were the winner. And this the event ended with lots of information shared about the G-20 and for the first time this type of Quiz was organised and it went very well.

Hoops and Harmony: A National Sports Day Celebration Through Friendly Basketball Match

Alex

The National Sports Day in India is celebrated on 29th August every year. It is celebrated to commemorate the birth anniversary of hockey legend Dhyan Chand Singh. On this occasion, Niscort Media College celebrated this exciting day with a friendly basketball match among the college students. The teams were divided into two , one team being green (team 1) and the other being red (team 2). Each team comprised of 7 players. The match was held at the common basketball court. The match was coordinated by

Mrs. Amala T Chacko and the Referee for the match was our Director, Fr Robinson Rodriguez. As the match started, the first 5 minutes were very intense with both the teams trying their utmost best to score. Then the first basket was scored by the red team player Abhishek, followed by a streak of baskets scored by the red team players, crushing the green team by 20 points. The red team won the match and the hearts of the audience. The final score for the match was 22-2 with 22 points being scored by the red team and 2 points scored by the green team. The friendly basketball match on National Sports Day at our college could not have been a success without the support of our Director Fr Robinson Rodriguez, our Principal Dr Ritu Dubey Tiwari, the staffs and the students. This match was a success not just in terms of the game but also in strengthening the bonds within the college community. It reminded us that sports have the power to unite people from all walks of life and create lasting memories. This event served as a reminder of the importance of physical fitness, teamwork, and the joy that sports can bring. National Sports Day, indeed, was celebrated with style and spirit at our college.

Photo Credit: Tarun Soreng

Welcoming new Staffs in NISCORT Media College

Blesson & Philip

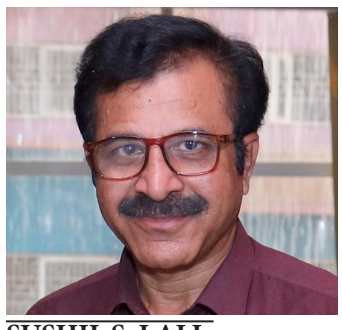

SUSHIL S. LALL

NISCORT Media College, is dedicated to imparting knowledge about media, which serves as a reflection of society. By providing quality education, the college aims to shape responsible citizens who can contribute positively to the country. The institute's primary objective is to offer comprehensive insights into the functioning of media in our society and its potential to transform people's viewpoint . As a teaching faculty, He is delighted to be a part of this dynamic institution. The friendly and pleasant environment at NISCORT fosters mutual understanding between teachers and students, laying a strong foundation for their professional careers.

AKASH SINGH

NISCORT is a college where anyone can succeed in the study of media. This college offers some of the greatest academics in addition to imparting technical and practical expertise of every facet of the media industry. The extracurricular, cultural, and workshop events that take place on this campus are quite appealing to him. It makes a difference from simply having good academic credentials to becoming an ideal media personality. The atmosphere at NISCORT plays a significant role in preparing the students for their future endeavors in the media industry. The college's faculty is extremely knowledgeable and professional. According to sir, The staff and mentors always support the students need's and are very helpful, which sets them apart from other Colleges.

KAMAKSHI THAKUR

NISCORT Media College has truly become a second home to mam since she joined in August 2023. The love and affection she received from the staff here is unparalleled. The college's principal, Dr. Ritu Dubey Tiwari, and Director Rev Father Robinson have been incredibly supportive and have guided her throughout the journey. This college offers various activities and events that provide students with ample opportunities to develop their skills. The practical approach in media studies is commendable, and NISCORT ensures that students have access to proper equipment to enhance their skills. The overall environment is cooperative and supportive, creating a positive workplace that helps me adapt to new skills and familiarize herself with the work environment.

Inauguration of the New Parliament Building and the First Session, 2023

Sr. Jancy Sebastian

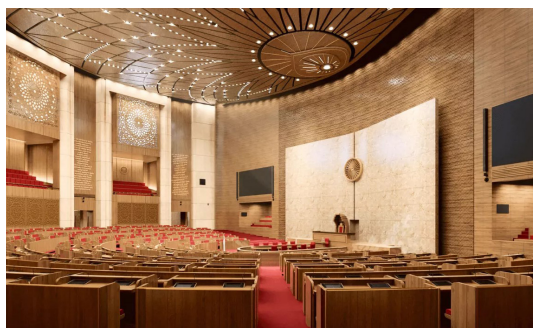

The new Parliament building in Delhi, India, was inaugurated on May 28, 2023, and the first session of Parliament in the new building began on September 19, 2023. The new Parliament building is a triangular-shaped structure with a central hall and two wings, one for the Lok Sabha (lower house) and one for the Rajya Sabha (upper house). The building has a capacity of 1,272 seats, almost 500 more than the old Parliament building. The new building is equipped with state-of-the-art facilities, including a digital voting system, a paperless parliamentary library, and a modern media centre. It is also designed to be energy-efficient and sustainable. The new Parliament building is a symbol of India's commitment to democracy and its aspirations for the future. It is also a testament to the country's growing economic and technological prowess.

The new building is expected to play a vital role in India's democratic process. It will provide a modern and efficient workspace for Members of Parliament, and it will also be a place where the Indian people can come to learn about and participate in their democracy.

The new Parliament session is the first to be held in the new building, and it is a significant moment in India's history. It is hoped that the new building will be a place where the Members of Parliament can work together to address the challenges facing the country and to build a better future for all Indians. The new Parliament session began with a joint sitting of the Lok Sabha and Rajya Sabha, addressed by President Ram Nath Kovind. In his speech, the President spoke about the importance of Parliament in upholding the democratic values of India. He also called on the Members of Parliament to work together to address the challenges facing the country.

The new Parliament session is expected to be a busy one, with the government planning to introduce a number of important bills, including a bill to amend the Constitution to provide for reservation for women in Parliament and state legislatures.

Editors :-
Ms.Ashley Mathew (Asst. Professor)
Ms.Kamakshi Thakur (Asst. Professor)

Editorial Team :-
Alex, Fr. Danish, Sr. Jancy, Jabez, Darien, Blesson & Philip

Design :-
Fr. Ritesh Gomes